

65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी और तीसरी प्रिंट द्विवार्षिकी के पुरस्कार समारोह में कलाकारों का सम्मान

कला को दीर्घाओं से निकालकर जन-जन तक पहुंचाना जरूरी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू



27 राज्यों से आई 6,175 कलाकृतियाँ

पाँच कलाकारों को ग्रैंड प्राइज

सम्मान से खुश रविंद्र रॉय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कला को केवल दीर्घाओं तक सीमित रखने के बजाय विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचाना जरूरी है। इससे आम लोगों का कला से जुड़ाव बढ़ेगा और युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने के अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने से देश की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। ललित कला अकादमी की ओर से बुधवार को डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी और तीसरी प्रिंट द्विवार्षिकी की इंडिया-2026 का पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह में राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के 20 पुरस्कार विजेताओं और प्रिंट द्विवार्षिकी के पांच कलाकारों को सम्मानित किया गया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कलाकारों की साधना और सृजनशीलता को भारतीय कला की आत्मा बताया। उन्होंने कहा कि हर कलाकृति में कलाकार के भाव, विचार और वर्षों की मेहनत की अभिव्यक्ति होती है। समारोह का उद्देश्य समकालीन भारतीय कला और मुद्रण कला के क्षेत्र में कलाकारों के योगदान को पहचान देना था।

राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए देश के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 2,495 कलाकारों की 6,175 कलाकृतियाँ प्राप्त हुईं। निर्णायक मंडल ने पहले चरण में इनमें से 270 कलाकृतियों का चयन किया। चित्रकला, मूर्तिकला, रेखाचित्र और मुद्रण कला सहित विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट काम करने वाले 20 कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सम्मानित कलाकारों में चंद्रशेखर साई, गोपाल चंद नस्कर, निधि चोपड़ा और पंकज कुमार शर्मा सहित अन्य कलाकार शामिल रहे।

तीसरी प्रिंट द्विवार्षिकी इंडिया-2026 में भारत सहित विभिन्न देशों के कलाकारों की भागीदारी रही। पांच कलाकारों को ग्रैंड प्राइज से सम्मानित किया गया। इनमें फ्रांस की अनाबेल शेंक, भारत के बासवराजराजवार केआर और रविंद्र रॉय, पोर्तुगल के दारियुश कावा तथा कोरिया के मिन्हो किम शामिल हैं। अरविंद शर्मा, गाइ लैंगविन, जयंत गजेरा और रंजू को विशेष उल्लेख सम्मान प्रदान किया गया।

भोपाल के कलाकार रविंद्र रॉय ने सम्मान मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रिंट मेकिंग में काम करते हुए 25 साल हो गए हैं। राष्ट्रपति से सम्मान प्राप्त करना उनके लिए बेहद खास पल है, जिसकी खुशी हमेशा बनी रहेगी। प्रिंट मेकिंग से जुड़े कलाकार अरविंद शर्मा और बासवराजराजवार केआर ने भी सम्मान को कला के क्षेत्र में आगे काम करने की प्रेरणा बताया। कलाकारों ने उम्मीद जताई कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को कला और संस्कृति से जुड़ने तथा अपनी रचनात्मकता को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

निजी न्यूज चैनलों पर आतंकवाद विरोधी अभियानों का सीधा प्रसारण करने की रोक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी किए 10 निर्देश, एआई का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल हो



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बुधवार को सभी निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों के लिए नई सलाह जारी की। इसमें चैनलों को राष्ट्रविरोधी सामग्री और भड़काऊ बहस से बचने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, कुछ चैनलों पर कार्यक्रम संहिता के प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है।

मंत्रालय ने आतंकवाद विरोधी अभियानों का सीधा प्रसारण करने पर रोक संबंधी निर्देश दोहराए। ऐसे अभियानों की जानकारी केवल अधिकृत अधिकारी की ओर से अभियान समाप्त होने के

बाद दी जानी चाहिए। हिंसक और परेशान करने वाले दृश्यों को दिखाते समय संपादकीय विवेक बरतने तथा अपराधों की खबरों में सत्यापित तथ्यों का इस्तेमाल करने को कहा गया है। सलाह में अपराध और हिंसा की सनसनीखेज रिपोर्टिंग से बचने, परेशान करने वाले दृश्यों को बार-बार न दिखाने और जरूरत पड़ने पर उन्हें धुंधला

करने की बात कही गई है। प्राकृतिक आपदाओं तथा बड़े हादसों के दृश्यों के साथ समय का उल्लेख करने की भी सलाह दी गई है, ताकि दर्शकों में भ्रम या अनावश्यक घबराहट न फैले।

मंत्रालय ने प्रसारण, चित्रों और डिजिटल प्रस्तुतियों में भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित भारत के आधिकारिक नक्शे का इस्तेमाल करने को कहा है। बहस और अन्य कार्यक्रमों में सांप्रदायिक या राष्ट्रविरोधी भावनाएं भड़काने वाली सामग्री रोकने के लिए प्रतिभागियों के चयन और प्रसारण पर निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। यौन अपराध पीड़ितों की पहचान उजागर करने वाली तस्वीरें, स्थान या अन्य जानकारी प्रसारित न करने को कहा गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उससे तैयार सामग्री का इस्तेमाल खबरों की सटीकता, प्रामाणिकता तथा संवेदनशीलता को प्रभावित किए बिना करने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने चैनलों को संपादकीय समीक्षा व्यवस्था मजबूत करने और समाचार संकलन, संपादन, निर्माण तथा प्रसारण से जुड़े कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित करने को भी कहा है।

इस्तेमाल करने को कहा है। बहस और अन्य कार्यक्रमों में सांप्रदायिक या राष्ट्रविरोधी भावनाएं भड़काने वाली सामग्री रोकने के लिए प्रतिभागियों के चयन और प्रसारण पर निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। यौन अपराध पीड़ितों की पहचान उजागर करने वाली तस्वीरें, स्थान या अन्य जानकारी प्रसारित न करने को कहा गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उससे तैयार सामग्री का इस्तेमाल खबरों की सटीकता, प्रामाणिकता तथा संवेदनशीलता को प्रभावित किए बिना करने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने चैनलों को संपादकीय समीक्षा व्यवस्था मजबूत करने और समाचार संकलन, संपादन, निर्माण तथा प्रसारण से जुड़े कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित करने को भी कहा है।

नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबाद: गुजरात के अहमदाबाद की पांच वर्षीय अरिहा शाह सात महीने की उम्र से जर्मनी में अपने माता-पिता से अलग रह रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 17 अक्टूबर को अहमदाबाद में जैनाचार्य उदयप्रभ सूरिश्वरजी महाराज साहेब से मुलाकात के दौरान अरिहा की वापसी का मुद्दा उठाने पर उसे भारत लाने का भरोसा दिया।

अरिहा के माता-पिता भावेश और धारा शाह वर्ष 2018 में जर्मनी गए थे। फरवरी 2021 में वहां उनकी बेटी का जन्म हुआ। सितंबर 2021 में बच्ची के निजी अंग के पास चोट और रक्तस्राव की शिकायत के बाद माता-पिता उसे अस्पताल ले गए। इसके बाद जर्मनी की बाल संरक्षण संस्था ने बच्ची को अपने संरक्षण में ले

लिया। माता-पिता का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त जानकारी दिए बिना बच्ची को उनसे अलग कर दिया गया। माता-पिता के अनुसार, बाद में चिकित्सकीय जांच में यौन शोषण की पुष्टि नहीं हुई और पुलिस ने भी जांच बंद कर दी। इसके बावजूद बच्ची की देखभाल का

अधिकार उन्हें वापस नहीं मिला। जून 2023 में पारिवारिक अदालत ने अरिहा की देखभाल बाल संरक्षण संस्था के पास रखने का फैसला किया। माता-पिता ने इस प्रक्रिया और बच्ची की देखभाल को लेकर कई सवाल उठाए हैं। भारत सरकार ने अरिहा की वापसी के लिए जर्मनी के साथ

कूटनीतिक स्तर पर मामला उठाया है। दिसंबर 2022 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जर्मनी की विदेश मंत्री के सामने चिंता जताई थी। अगस्त 2023 में भारत ने जर्मन राजदूत को तलब किया। जनवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी के चांसलर के सामने भी यह मुद्दा उठाया था। अरिहा के माता-पिता का कहना है कि उन्हें बेटी की वर्तमान स्थिति और उसके रहने के स्थान की पर्याप्त जानकारी नहीं मिलती। वे चाहते हैं कि बच्ची को भारतीय सांस्कृतिक वातावरण में रहने का अवसर मिले। अमित शाह ने जैन समाज को आश्वासन दिया है कि वह अरिहा की वापसी के प्रयास करेंगे। हालांकि, बच्ची को भारत लाने के लिए जर्मनी को कानूनी प्रक्रिया और संबंधित अधिकारियों का सहयोग आवश्यक होगा।

हाईकोर्ट में कार्यवाही का वीडियो बनाने पर जुर्माना

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: बंबई उच्च न्यायालय ने अदालत की कार्यवाही का वीडियो बनाने के मामले में एक कनिष्ठ वकील पर 25 हजार रुपये और एक वकील के लिपिक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने लिपिक का मोबाइल जब््त करने और उसमें दर्ज वीडियो मिटाने का भी आदेश दिया। यह मामला झुग्गी पुनर्वास परियोजना से जुड़ी युमिडि एंथिराज की सुनवाई के दौरान का है। सुनवाई के समय उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एएच लड्डहट्ट ने गलियारों में एक लिपिक को मोबाइल से अदालत की कार्यवाही का वीडियो बनाते हुए देखा। उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी न्यायाधीशों को दी। मामले में लिपिक ने बताया कि

वह दूसरे वकील के कक्ष में काम करने वाले एक कनिष्ठ वकील के कहने पर वीडियो बना रहा था। इसके बाद अदालत ने वीडियो बनाने की घटना पर संज्ञान लिया और दोनों के खिलाफ जुर्माना लगाने का आदेश दिया। अदालत के मोबाइल को जब््त करने और उसमें दर्ज वीडियो को मिटाने के निर्देश भी दिए। मामले में कनिष्ठ वकील पर 25 हजार रुपये और लिपिक पर 10 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया है। मामला झुग्गी पुनर्वास परियोजना से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के समय का है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की सतर्कता से वीडियो बनाए जाने की जानकारी न्यायाधीशों तक पहुंची, जिसके बाद कार्रवाई की गई।

नीदरलैंड के पहले समलैंगिक प्रधानमंत्री जल्द बनेंगे पिता

एम्स्टर्डम, एजेंसी: नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन वर्ष 2027 में पिता बनने वाले हैं। उन्होंने सोमवार को अपने साथी निकोलस कीनन के साथ सामाजिक माध्यम पर यह खुशखबरी साझा की। कीनन अर्जेंटीना के हॉकी खिलाड़ी हैं। दोनों ने अपने पहले बच्चे के आने की खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'हमारी जिंदगी में एक बहुत खास मेहमान आने वाला है। नहं बच्चे, 2027 में तुमसे मुलाकात होगी।' नीदरलैंड के समाचार माध्यमों के अनुसार, बच्चे के जन्म के लिए किराये की कोख की प्रक्रिया अपनाई गई है। इसमें जेटेन और कीनन की दो महिला मित्रों ने मदद की। इनमें से एक ने अंडाणु दान किया, जबकि दूसरी बच्चे को जन्म देंगी। जेटेन ऐसे पहले डच प्रधानमंत्री होंगे, जिनके कार्यकाल के दौरान उनके बच्चे का जन्म होगा।

बड़े अधिकारी नौकरी के दौरान ही विदेश में बसने की बना रहे योजना

आसिफ का आरोप, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों में बसने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी: पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खजा आसिफ ने आरोप लगाया है कि देश के कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी नौकरी में रहते हुए ही विदेश में स्थायी रूप से बसने की योजना बना रहे थे। उनके अनुसार, इन अधिकारियों ने कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के अन्य देशों में बसने की तैयारी की थी। पिछले कुछ वर्षों में पुर्तगाल ऐसे अधिकारियों के लिए पसंदीदा ठिकाने के रूप में उभरा है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, आसिफ ने कहा कि विदेश में बसने की योजना बनाने वाले कई अधिकारी अलग-अलग सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों की



देश के प्रति निष्ठा पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि सरकारी पदों पर रहते हुए सुविधाएं और सम्मान पाने वाले अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे पाकिस्तान को अपना स्थायी घर मानते हैं या विदेश जाने से पहले केवल एक पड़ाव के रूप में देखते हैं। रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने पाकिस्तानी सरकारी

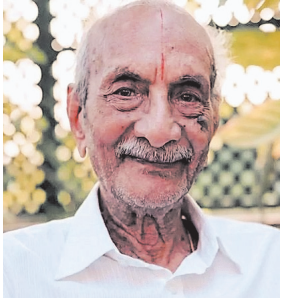
अधिकारियों को पुर्तगाल में स्थायी निवास दिलाने में सहायता करने का दावा किया था। उसने कई प्रभावशाली अधिकारियों से बड़ी रकम वसूली और बाद में फरार हो गया। हालांकि, आसिफ ने संबंधित अधिकारियों के नाम और ठगों की रकम का खुलासा नहीं किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों को राजनीतिक नेताओं से निकटता के कारण वैध और अवैध तरीकों से संपत्ति जुटाने के अवसर मिले। उनके बयान के अनुसार, विदेश में बसने की तैयारी करने वाले अधिकारियों में ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

हिंसा के बाद तनाव, 48 घंटे का राज्यव्यापी बंद

नईदुनिया ब्यूरो, इंफाल: मणिपुर में सुनुरोक पहाड़ी पर 19 अक्टूबर को हुए हमले में तीन लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। हमले में तीन अन्य लोग घायल हुए थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ल्हारी दोरजी खाटू ने मंगलवार को बताया कि आरोपितों के पास से 12 हथियार, 1,095 कारतूस और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। गिरफ्तार तीन आरोपितों में से दो ने प्रारंभिक पूछताछ में हमले में शामिल होने की बात स्वीकार की है। तीसरे की भूमिका की जांच की जा रही है। बरामद हथियारों में एके-47, एम-16, इंसास और स्नाइपर राइफल के साथ देशी रॉकेट प्रक्षेपक तथा बंदूकें शामिल हैं। पुलिस ने हथगोले, देसी बम, विस्फोटक, डेटोनेटर, रेडियो उपकरण, वर्दियां

और अन्य सामग्री भी जब्त की है। हमले के विरोध में नेटिव पीपल्स कमेट्री मणिपुर ने सोमवार आधी रात से 48 घंटे का राज्यव्यापी बंद बुलाया है। समिति ने हमले के लिए जिम्मेदार सशस्त्र समूहों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बंद के कारण बाजार, दुकानें, शिक्षण संस्थान और निजी कार्यालय बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन भी प्रभावित हुआ, जबकि आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई। घटना से नाराज लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया था। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर की सुबह कांगपोकपी जिले के खोंगबाल सुनुरोक उद्योक क्षेत्र में लकड़ी लेने गए 16 लोगों के समूह पर घात लगाकर हमला किया गया था।

संगोल बनाने वाले वुमिडि एथिराज का निधन, 99 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस



नईदुनिया ब्यूरो, चेन्नई: नए संसद भवन में स्थापित ऐतिहासिक संगोल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आभूषण निर्माता वुमिडि एथिराज का बुधवार को चेन्नई में निधन हो गया। वह 99 वर्ष के थे। वर्ष 1947 में देश की स्वतंत्रता के समय यह राजदंड तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपा गया था। तमिलनाडु के तिरुवावदुथुरै अधीनम मठ ने 1947 में चेन्नई के वुमिडि बंगारु चेट्टी आभूषण प्रतिष्ठान को संगोल बनाने का काम सौंपा था। उस समय एथिराज की उम्र करीब 22 वर्ष थी। लगभग 10 कारीगरों ने 10 से 15 दिनों में

इसे तैयार किया था। करीब पांच फुट लंबे इस राजदंड पर सीने की परत चढ़ाई गई थी। इसके शीर्ष पर नंदी की आकृति बनाई गई थी, जिसे न्याय और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। आजादी के बाद संगोल प्रयागराज के इलाहाबाद

संग्रहालय में नेहरू दीर्घा में रखा गया था। वहां इसे नेहरू को भेंट की गई सुनहरी छड़ी के रूप में दर्ज किया गया था। वर्ष 2018 में एक लेख के माध्यम से एथिराज के परिवार को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद परिवार ने खोजबीन की और संग्रहालय में रखे राजदंड की पहचान की। 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान संगोल को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया था। इस अवसर पर संगोल बनाने वाले वुमिडि परिवार के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया था।

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: कमजोर मानसून और अल नीनो के प्रभाव से दक्षिण और पश्चिम भारत के कई राज्यों में सूखे की स्थिति गंभीर हो गई है। जलाशयों का जलस्तर घटने से खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा है। कर्नाटक में 240 मी से 226 तालुक सूखाग्रस्त हैं और करीब 33 प्रतिशत फसलें बर्बाद होने का अनुमान है। तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पानी की कमी के कारण धान की खेती का रकबा एक लाख एकड़ से अधिक घट गया है। पैदावार प्रभावित होने से चावल की कुछ किस्मों के दाम 50 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। महाराष्ट्र में फसलें सूखने और कर्ज के दबाव के बीच सात दिनों में चार किसानों की आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। सूखे

का असर अन्य राज्यों में भी दिखाई दे रहा है। आंध्र प्रदेश के 56.4 प्रतिशत और महाराष्ट्र के 86.4 प्रतिशत तालुक सूखाग्रस्त बताए गए हैं। तेलंगाना के करीब 45.6 प्रतिशत मंडलों को भी सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। देश के 178 प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर उनकी कुल क्षमता से 31 प्रतिशत कम रह गया है। पेनार नदी घाटी में पानी की कमी 72.3 प्रतिशत और कावेरी नदी घाटी में 60.5 प्रतिशत दर्ज की गई है। तमिलनाडु का अल्लियार जलाशय लगभग खाली हो गया है, जबकि तेलंगाना से जुड़े प्रमुख बांधों में भी जलस्तर सामान्य क्षमता के आधे से काफी नीचे है। देश में मानसूनी बारिश औसत से 13 प्रतिशत कम रही। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में वर्षा की कमी करीब 26 प्रतिशत, जबकि

दक्षिणी राज्यों में 24 प्रतिशत रही। विशेषज्ञों के अनुसार, अल नीनो इसका अकेला कारण नहीं है। दुनिया के अन्य हिस्सों में भी मौसमी घटनाओं का असर दिख रहा है। इंडोनेशिया में जनवरी से अब तक करीब 8.95 लाख हेक्टेयर भूमि जंगलों की आग से प्रभावित हुई है। धुएं के कारण सुमात्रा और कालीमंतन में लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। पूर्वी प्रशांत महासागर में 22 तूफान और 12 चक्रवात आए, जिनमें 10 बेहद शक्तिशाली थे। इसके विपरीत अटलांटिक महासागर में चक्रवाती गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर रही। चीन और जापान में तूफानों के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं। गर्म समुद्री पानी तूफानों की अधिक ऊर्जा देता है, जिससे उनके शक्तिशाली होने का खतरा बढ़ जाता है।

राहुल गांधी के विदेश दौरे पर थरूर बोले- मैं ट्रेवल्स एजेंट नहीं

भाजपा ने राहुल के वियतनाम जाने का दावा किया, कांग्रेस ने छात्रों से मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी के विदेश दौरे से जुड़े सवाल पर कहा कि वह कोई यात्रा अधिकर्ता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियां होती हैं, इसलिए वह इस विषय पर टिप्पणी नहीं कर सकते। थरूर का यह बयान भाजपा की ओर से राहुल गांधी के वियतनाम जाने की आलोचना के बाद आया है। भाजपा ने सामाजिक माध्यम पर विमान के भीतर का एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि राहुल गांधी वियतनाम आए हैं। हालांकि, वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान और विमान के वियतनाम जाने की लेकर भी भाजपा ने सवाल उठाए थे।

इस बीच कांग्रेस ने बुधवार को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की विद्यार्थियों से मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। पार्टी के अनुसार, दोनों नेताओं ने एक प्रशासनिक सेवा प्रशिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों से बातचीत की। विद्यार्थियों ने पढ़ाई, मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता और शुल्क वापसी की मांग पर संस्थान के प्रबंधन की प्रतिक्रिया को लेकर चिंताएं जताईं। राहुल गांधी की विदेश

दिसंबर 2025 में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रस्तावित जर्मनी यात्रा पर भी राजनीतिक बयानबाजी हुई थी। जनवरी 2026 में वियतनाम यात्रा को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी पर तंज कसा था। मार्च 2026 में गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में राहुल गांधी की विदेश यात्राओं और संसदीय गतिविधियों का उल्लेख करते हुए उनकी उपस्थिति पर सवाल उठाए थे।

सात महीने की उम्र में बाल संरक्षण अधिकारियों ने संरक्षण में लिया था

जर्मनी में पांच साल से माता-पिता से दूर अरिहा अमित शाह ने भारत लाने का दिया भरोसा



जर्मनी के माता-पिता भावेश और धारा शाह वर्ष 2018 में जर्मनी गए थे। फरवरी 2021 में वहां उनकी बेटी का जन्म हुआ। सितंबर 2021 में बच्ची के निजी अंग के पास चोट और रक्तस्राव की शिकायत के बाद माता-पिता उसे अस्पताल ले गए। इसके बाद जर्मनी की बाल संरक्षण संस्था ने बच्ची को अपने संरक्षण में ले

लिया। माता-पिता का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त जानकारी दिए बिना बच्ची को उनसे अलग कर दिया गया। माता-पिता के अनुसार, बाद में चिकित्सकीय जांच में यौन शोषण की पुष्टि नहीं हुई और पुलिस ने भी जांच बंद कर दी। इसके बावजूद बच्ची की देखभाल का

अधिकार उन्हें वापस नहीं मिला। जून 2023 में पारिवारिक अदालत ने अरिहा की देखभाल बाल संरक्षण संस्था के पास रखने का फैसला किया। माता-पिता ने इस प्रक्रिया और बच्ची की देखभाल को लेकर कई सवाल उठाए हैं। भारत सरकार ने अरिहा की वापसी के लिए जर्मनी के साथ

कूटनीतिक स्तर पर मामला उठाया है। दिसंबर 2022 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जर्मनी की विदेश मंत्री के सामने चिंता जताई थी। अगस्त 2023 में भारत ने जर्मन राजदूत को तलब किया। जनवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी के चांसलर के सामने भी यह मुद्दा उठाया था। अरिहा के माता-पिता का कहना है कि उन्हें बेटी की वर्तमान स्थिति और उसके रहने के स्थान की पर्याप्त जानकारी नहीं मिलती। वे चाहते हैं कि बच्ची को भारतीय सांस्कृतिक वातावरण में रहने का अवसर मिले। अमित शाह ने जैन समाज को आश्वासन दिया है कि वह अरिहा की वापसी के प्रयास करेंगे। हालांकि, बच्ची को भारत लाने के लिए जर्मनी को कानूनी प्रक्रिया और संबंधित अधिकारियों का सहयोग आवश्यक होगा।

